भारतरत्न अटल:
हिन्दी, राष्ट्रवाद और सुशासन

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

सम्मान समारोह

30–31 अक्टूबर, 2026

विज्ञान भवन, नई दिल्ली

विश्व हिन्दी परिषद

बी-2/1 बी, निधि हाउस, सफदरजंग एन्क्लेव,
नई दिल्ली – 110029

📞 **011-49446677, 8586016348**

vishwahindiparishadoffice@gmail.com

www.vishwahindiparishad.in

‘विश्व हिंदी परिषद’ द्वारा “भारतरत्न अटल: हिंदी, राष्ट्रवाद और सुशासन” विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन दिनांक 30–31 अक्टूबर, 2026 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित होगा, जिन्होंने हिंदी भाषा के वैश्विक प्रसार, राष्ट्रवाद की सशक्त अभिव्यक्ति तथा सुशासन की उत्कृष्ट परंपरा को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर देश-विदेश से ख्याति प्राप्त विद्वान, चिंतक, शिक्षक, शोधार्थी, पत्रकार, सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पदाधिकारीगण भाग लेकर अपने अनुभव और विचार साझा करेंगे। सम्मेलन में विशेष व्याख्यान, शोधपत्र प्रस्तुति एवं स्मारिका विमोचन भी प्रस्तावित है।

भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी भारत के उन महान नेताओं में से एक हैं, जिनका व्यक्तित्व राष्ट्रभक्ति, उदारता और लोकतांत्रिक मूल्यों का अद्वितीय संगम है। उनका वैचारिक संसार व्यापक, समावेशी और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण था। वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक ओजस्वी वक्ता, प्रखर कवि, दूरदर्शी चिंतक और कुशल प्रशासक भी थे। उन्होंने हिंदी को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाई और भारतीय राजनीति को संवाद, सहमति एवं सुशासन की नई दिशा प्रदान की।

विश्व हिन्दी परिषद की परिपाटी हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों / संस्थाओं को सम्मानित व पुरस्कृत करने की रही है। ये पुरस्कार उच्चस्तरीय निर्णायक समिति की सिफारिशों के आधार पर दिए जाते हैं। पूर्व के आयोजनों में भी परिषद द्वारा साहित्य एवं गैर- साहित्यिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संस्थानों/व्यक्तियों को भारत सरकार के मंत्रीगण के करकमलों से सम्मानित किया जाता रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी हिंदी साहित्य तथा राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं/कार्यालयों को सम्मानित/पुरस्कृत करने की योजना है:-

इसके लिए सरकारी कार्यालयों/ उपक्रमों इत्यादि को हमारी वेबसाइट www.vishwahindiparishad.in पर उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करना होगा और साथ में विश्व हिंदी परिषद के पक्ष में प्रत्येक श्रेणी के लिए रु. 10,000/ का प्रविष्टि शुल्क जमा करना है। मूल्यांकन के आधार पर श्रेष्ठ पाए जाने वाले कार्यालयों/उपक्रमों इत्यादि को पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कारों के निर्धारण में निर्णायक समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा। कार्यक्रम की गरिमा को देखते हुए पुरस्कार हेतु चयनित कार्यालय के कार्यालय प्रधान/ अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/ निदेशक की उपस्थिति सम्मानार्थ अनिवार्य है।

नोट: अधिक श्रेणियों में आवेदन करने वाले कार्यालयों का पुरस्कार पाने की संभावना अधिक हो सकती है।

अटल जी का जीवन “राष्ट्र प्रथम” की भावना से प्रेरित रहा। उन्होंने सदैव लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करते हुए विकास, समावेशिता और सुशासन को प्राथमिकता दी। उनकी नीतियों और कार्यशैली ने भारत को वैश्विक स्तर पर एक सशक्त और सम्मानित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। निःसंदेह, अटल बिहारी वाजपेयी एक ऐसे युगद्रष्टा नेता थे जिनका जीवन और चिंतन आज भी भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य में मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए

राजभाषा सम्मान 2025

भारतीय नौवहन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री बिनेश कुमार त्यागी को
हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित करते लद्दाख के
माननीय उप राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता

भारतीय कपास निगम को
राजभाषा नीति में श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए
हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित करते
लद्दाख के माननीय उप राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान
संस्थान, भोपाल को गृह पत्रिका के लिए
हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को गृह पत्रिका के लिए
हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित करते
इथियोपिया दूतावास से उपस्थित द्वितीय सचिव
श्री गेब्रु टेकले

सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत
को हिंदी में हस्ताक्षर के लिए हिंदी सेवा सम्मान से
सम्मानित करते इथियोपिया दूतावास से
उपस्थित द्वितीय सचिव श्री गेब्रु टेकले

राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए

राजभाषा सम्मान 2024

हिंदी में हस्ताक्षर के लिए वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री जयप्रकाश द्विवेदी को किया गया सम्मानित

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL), केंद्रीय विपणन संगठन, कोलकाता को गृह पत्रिका के लिए दिया गया राजभाषा सम्मान

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली को गृह पत्रिका के लिए दिया गया राजभाषा सम्मान

राजभाषा नीति के सर्वोत्तम कार्यान्वयन के लिए एनएफएल (NFL) को दिया गया राजभाषा सम्मान

राजभाषा नीति के सर्वोत्तम कार्यान्वयन के लिए एमआरपीएल (MRPL / ONGC) को दिया गया राजभाषा सम्मान

राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए

राजभाषा सम्मान 2023

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए
गेल इंडिया लिमिटेड को दिया गया
राजभाषा सम्मान

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) को
राजभाषा सम्मान से सम्मानित किया गया

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए
एनएमडीसी (NMDC) को
दिया गया सम्मान

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए
कोल इंडिया (Coal India) को
किया गया सम्मानित

राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन एवं
राजभाषा के श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए
मोइल (MOIL) को सम्मानित किया गया

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्राप्त हुए शुभकामना संदेश

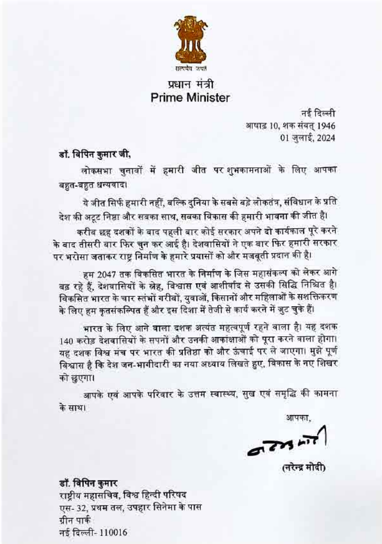

प्रधान मंत्री
Prime Minister

नई दिल्ली
आषाढ़ 10, शक संवत् 1946
01 जुलाई, 2024

डॉ. विपिन कुमार जी,

लोकसभा चुनावों में हमारी जीत पर शुभकामनाओं के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

ये जीत सिर्फ हमारी नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र, संविधान के प्रति देश की अटूट निष्ठा और सबका साथ, सबका विकास की हमारी भावना की जीत है।

करीब छह दशकों के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार फिर चुन कर आई है। देशवासियों ने एक बार फिर हमारी सरकार पर भरोसा जताकर राष्ट्र निर्माण के हमारे प्रयासों को और मजबूती प्रदान की है।

हम 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के जिस महासंकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं, देशवासियों के स्नेह, विश्वास एवं आशीर्वाद से उसकी सिद्धि निश्चित है। विकसित भारत के चार स्तंभों गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए हम कृतसंकल्पित हैं और इस दिशा में तेजी से कार्य करने में जुट चुके हैं।

भारत के लिए आने वाला दशक अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाला है। यह दशक 140 करोड़ देशवासियों के सपनों और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने वाला होगा। यह दशक विश्व मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को और ऊंचाई पर ले जाएगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि देश जन-भागीदारी का नया अध्याय लिखते हुए, विकास के नए शिखर को छुएगा।

आपके एवं आपके परिवार के उत्तम स्वास्थ्य, सुख एवं समृद्धि की कामना के साथ।

आपका,

(नरेन्द्र मोदी)

डॉ. विपिन कुमार
राष्ट्रीय महासचिव, विश्व हिन्दी परिषद
एस- 32, प्रथम तल, उपहार सिनेमा के पास
ग्रीन पार्क
नई दिल्ली- 110016

प्रधान मंत्री
Prime Minister
संदेश

राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर जी की 115वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन। यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि इस अवसर पर विश्व हिन्दी परिषद द्वारा दिल्ली में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

दिनकर जी की कालजयी रचनाओं ने हर आयु, पीढ़ी और वर्ग के लोगों को प्रभावित किया है। अपनी लेखनी में विषयों के चुनाव को लेकर उनकी दूरदर्शिता प्रभावशाली थी और उनका साहित्य आज भी अत्यंत प्रासंगिक नजर आता है।

उनके शब्दों में असीम सामर्थ्य है, जो लोगों के अंतर्मन को छूकर, उनके विचारों को व्यवहार में बदलने का साहस देते हैं। कालांतर में उन्होंने सामाजिक परिस्थितियों को ना केवल टटोला, समझा, बल्कि अपनी रचनाओं के जरिए उनके समाधान का रास्ता भी सुझाया।

उनकी सशक्त लेखनी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों में आजादी की अलख जगाई, आजादी के बाद लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए जनमानस में चेतना का संचार किया। उनकी प्रगतिशील एवं मानवतावादी विचारधारा का स्पष्ट प्रभाव उनकी कविताओं में नजर आता है।

सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विपुल साहित्य से हिन्दी को समृद्ध करने वाले श्री रामधारी सिंह दिनकर जी का सभी भारतीय भाषाओं के प्रति अनुराग था। वह कहा करते थे कि भारतीय संस्कृति और परंपराएं यहां की भाषाओं में जीती हैं। उनका मानना था कि भारत में विभिन्न भाषाओं की मूल भावना, उनकी आत्मा एक है और इन भाषाओं में लिखे गए साहित्य अंततः हमें विचारों की एकता से जोड़ते हैं।

आशा करता हूं कि इस सम्मेलन में भाग ले रहे सभी प्रबुद्धजनों के बीच दिनकर जी के सृजनात्मक कार्यों पर सार्थक चर्चा होगी। इस विश्वास के साथ कार्यक्रम की सफलता के लिए अनेक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
भाद्रपद 24, शक संवत् 1945
15 सितम्बर, 2023

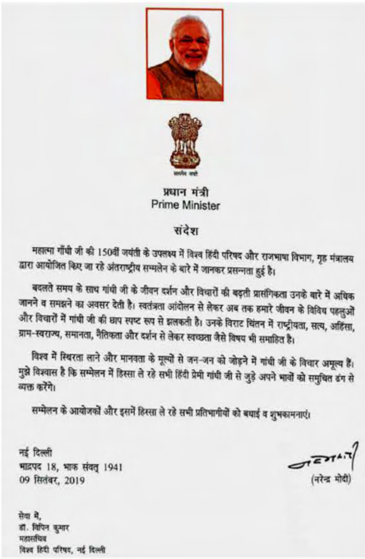

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विश्व हिंदी परिषद और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जा रहे अंतराष्ट्रीय सम्मलेन के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई है।

बदलते समय के साथ गांधी जी के जीवन दर्शन और विचारों की बढ़ती प्रासंगिकता उनके बारे में अधिक जानने व समझने का अवसर देती है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर अब तक हमारे जीवन के विविध पहलुओं और विचारों में गांधी जी की छाप स्पष्ट रूप से झलकती है। उनके विराट चिंतन में राष्ट्रीयता, सत्य, अहिंसा, ग्राम-स्वराज्य, समानता, नैतिकता और दर्शन से लेकर स्वच्छता जैसे विषय भी समाहित हैं।

विश्व में स्थिरता लाने और मानवता के मूल्यों से जन-जन को जोड़ने में गांधी जी के विचार अमूल्य हैं। मुझे विश्वास है कि सम्मेलन में हिस्सा ले रहे सभी हिंदी प्रेमी गांधी जी से जुड़े अपने भावों को समुचित ढंग से व्यक्त करेंगे।

सम्मेलन के आयोजकों और इसमें हिस्सा ले रहे सभी प्रतिभागीयों को बधाई व शुभकामनाएं।

नई दिल्ली
भाद्रपद 18, शक संवत् 1941
09 सितंबर, 2019

(नरेन्द्र मोदी)

सेवा में,
डॉ. विपिन कुमार
महासचिव
विश्व हिंदी परिषद, नई दिल्ली

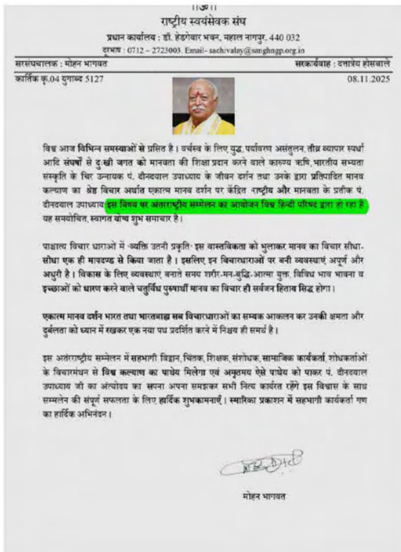

॥ॐ॥
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
प्रधान कार्यालय : डॉ. हेडगेवार भवन, महाल नागपुर. 440 032
दूरभाष : 0712 – 2723003. Email- sachivalay@sanghngp.org.in

सरसंघचालक : मोहन भागवत — सरकार्यवाह : दत्तात्रेय होसबाले

कार्तिक कृ.04 युगाब्द 5127 — 08.11.2025

विश्व आज विभिन्न समस्याओं से ग्रसित है। वर्चस्व के लिए युद्ध, पर्यावरण असंतुलन, तीव्र व्यापार स्पर्धा आदि संघर्षों से दुःखी जगत को मानवता की शिक्षा प्रदान करने वाले कारुण्य ऋषि, भारतीय सभ्यता संस्कृति के चिर उन्नायक पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन तथा उनके द्वारा प्रतिपादित मानव कल्याण का श्रेष्ठ विचार अर्थात एकात्म मानव दर्शन पर केंद्रित राष्ट्रीय और मानवता के प्रतीक पं. दीनदयाल उपाध्याय इस विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्व हिन्दी परिषद द्वारा हो रहा है यह समयोचित, स्वागत योग्य शुभ समाचार है।

पाश्चात्य विचार धाराओं में 'व्यक्ति उतनी प्रकृति' इस वास्तविकता को भुलाकर मानव का विचार सीधा-सीधा एक ही मापदण्ड से किया जाता है। इसलिए इन विचारधाराओं पर बनी व्यवस्थाएं अपूर्ण और अधुरी है। विकास के लिए व्यवस्थाएं बनाते समय शरीर-मन-बुद्धि-आत्मा युक्त, विविध भाव भावना व इच्छाओं को धारण करने वाले चतुर्विध पुरुषार्थी मानव का विचार ही सर्वजन हिताय सिद्ध होगा।

एकात्म मानव दर्शन भारत तथा भारतबाह्य सब विचारधाराओं का सम्यक आकलन कर उनकी क्षमता और दुर्बलता को ध्यान में रखकर एक नया पथ प्रदर्शित करने में निश्चय ही समर्थ है।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागी विद्वान, चिंतक, शिक्षक, संशोधक, सामाजिक कार्यकर्ता, शोधकर्ताओं के विचारमंथन से विश्व कल्याण का पाथेय मिलेगा एवं अमृतमय ऐसे पाथेय को पाकर पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय का सपना अपना समझकर सभी नित्य कार्यरत रहेंगे इस विश्वास के साथ सम्मेलन की संपूर्ण सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। स्मारिका प्रकाशन में सहभागी कार्यकर्ता गण का हार्दिक अभिनंदन।

मोहन भागवत

राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए

राजभाषा सम्मान 2019

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए
ओएनजीसी लिमिटेड को दिया गया
राजभाषा सम्मान

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) को
राजभाषा सम्मान से सम्मानित किया गया

राजभाषा में श्रेष्ठ तकनीकी प्रयोग के लिए
एनएमडीसी (NMDC) को
दिया गया सम्मान

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में

वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान 2024

न्यूज़ 18 के वरिष्ठ संपादक श्री अमन चोपड़ा जी को सम्मानित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. बघेल जी, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी एवं विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवी प्रसाद मिश्र जी

डी डी न्यूज़ के संपादक श्री अश्विनी मिश्रा जी को सम्मानित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. बघेल जी, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी एवं विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवी प्रसाद मिश्र जी

डी डी न्यूज़ के संपादक श्री रजनीश त्रिपाठी जी को सम्मानित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. बघेल जी, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी एवं विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवी प्रसाद मिश्र जी

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में

वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान 2023

श्री सुधीर चौधरी, मुख्य संपादक, आज तक को हिंदी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया

श्री उदय कुमार जी, संपादक, अमर उजाला को हिंदी प्रिंट मीडिया में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया

श्री कमलेश रघुवंशी, संपादक, डिजिटल एडिशन, दैनिक जागरण को हिंदी डिजिटल मीडिया में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया

अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुए कलाकारों का सम्मान

श्री मलखान सिंह
टीवी कलाकार, भारतीय सिनेमा

श्री दीपक दीवान
फिल्म निर्माता, भारतीय सिनेमा

डॉ. कमल किशोर
लेखक एवं साहित्यकार

विदेश में हिंदी के उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान 2023

नीदरलैंड से सम्मेलन में विशेष अतिथि के तौर पर आयी अंतरराष्ट्रीय लेखिका एवं हिंदी विदुषी डॉ. पुष्पिता अवस्थी मंच से संबोधित करते हुए

मॉरिशस से आयी अंतरराष्ट्रीय लेखिका श्रीमती कल्पना लालजी जी को सम्मानित करते हुए मणिपुर के महामहिम राज्यपाल एवं स्वामी चिदानंद सरस्वती

लंदन से आयी सोशल मीडिया में हिंदी भाषा को संवर्धित करने हेतु सुश्री सिमी राठौर जी को सम्मानित करते हुए मणिपुर के महामहिम राज्यपाल

विदेश में हिंदी के उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान 2025

डॉ. मधु खन्ना
(ऑस्ट्रेलिया)

डॉ. मयंक जैन
(अमेरिका)

डॉ. विवेक मणि त्रिपाठी
(चीन)

डॉ. दुर्गा सिंह 'उदास'
(अमेरिका)

डॉ. रमा शर्मा
(जापान)

डॉ. कादम्बरी शंकर आदेश
(अमेरिका)

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2025

कविंद्र गुप्ता जी
माननीय उपराज्यपाल, हिमाचल प्रदेश

अजय कुमार मिश्र जी
निवर्तमान गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार

श्री अजेय जी ,
केंद्रीय अभिलेखागार प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

पद्मश्री, पद्मभूषण **आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी**
निवर्तमान सांसद, राज्यसभा
राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिन्दी परिषद
निवर्तमान उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति, भारत सरकार

श्री के.सी. त्यागी जी
वरिष्ठ नेता, आरएलडी
निवर्तमान लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद

श्रीमती रेखा शर्मा
राज्यसभा सांसद
निवर्तमान अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2024

डॉ. हरि बाबू कंभमपति जी
महामहिम राज्यपाल, ओडिशा

प्रो. एस.पी. सिंह बघेल जी
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार

श्री आर.के. सिन्हा जी
निवर्तमान राज्यसभा सांसद एवं उद्योगपति

श्री के.सी. त्यागी जी
वरिष्ठ नेता, आरएलडी
निवर्तमान लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद

श्री फग्गन सिंह कुलस्ते जी
निवर्तमान केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ सांसद

पद्मश्री, पद्मभूषण **आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी**
निवर्तमान सांसद, राज्यसभा
राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिन्दी परिषद
निवर्तमान उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति, भारत सरकार

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2023

श्री अजय कुमार मिश्र जी
निवर्तमान माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

श्री इंद्रेश कुमार जी
वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

सुश्री अनुसुइया उइके जी
महामहिम राज्यपाल, मणिपुर

श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य जी
महामहिम राज्यपाल, असम

स्वामी सर्वलोकानंद जी महाराज
सचिव, रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिल्ली

श्री सुधीर चौधरी जी
वरिष्ठ पत्रकार, आजतक न्यूज़

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2019

श्रीमती मृदुला सिन्हा जी
महामहिम राज्यपाल, गोवा

श्री इंद्रेश कुमार जी
वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

श्री अर्जुन राम मेघवाल जी
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार

डॉ. जितेंद्र सिंह जी
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार

श्री वी.के. सिंह जी
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार

सुश्री मैथिली ठाकुर
राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायिका